

- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से दिया इस्तीफा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे पत्र में कहा—स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता देने और चिकित्सीय सलाह का पालन करने के लिए तत्काल प्रभाव से लिया यह निर्णय।
- संसद का मानसून सत्र शुरू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे देश की सामूहिक उपलब्धियों का सच्चा उत्सव बताया, कहा—ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरे विश्व ने देखी भारत की सैन्य शक्ति।
- राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 14 महिला उद्यमियों को किया सम्मानित, कहा— हर क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं महिलाएं।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देशवासियों को राष्ट्रीय झंडा अंगीकरण दिवस की शुभकामनाएं दीं, कहा—एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों के लिए गौरवमयी प्रतीक है तिरंगा।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे एक पत्र में, श्री धनखड़ ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता देने और चिकित्सीय सलाह का पालन करने के लिए, उन्होंने तत्काल प्रभाव से यह निर्णय लिया है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति के अटूट सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। श्री धनखड़ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मंत्रिपरिषद के प्रति भी अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।

संसद का मॉनसून सत्र कल से शुरू हो गया। सत्र के पहले दिन हंगामे के बीच ऑपरेशन सिंदूर पर तत्काल चर्चा की मांग सहित विभिन्न मुद्दों पर दोनों सदनों की कार्यवाही कई बार स्थगित हुई। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इस बार संसद का मॉनसून सत्र राष्ट्र गौरव का सत्र है। एक प्रेसवार्ता में प्रधानमंत्री ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के एक्सओम मिशन की चर्चा करते हुए कहा कि पहली बार अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर तिरंगा लहराना हर देशवासी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष की इस सफल यात्रा ने देश में विज्ञान और तकनीकी के प्रति उत्साह भर दिया है।

सत्र राष्ट्र गौरव और विजयोत्सव का सत्र है तो सबसे पहले तो मैं पहली बार इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर भारत का तिरंगा झंडा वहाँ लहराना ये हर देशवासी के लिए गौरव के पल है। देश में साइंस टेक्नोलॉजी के प्रति इनोवेशन के प्रति नया उमंग और उत्साह भरने वाली ये सफल यात्रा रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरी दुनिया ने भारत की सैन्य शक्ति और सामर्थ्य का रूप देखा है। उन्होंने देश की सुरक्षा के लिए एकजुट हुए सभी राजनीतिक दलों और सांसदों की सराहना करते हुए कहा कि यह सत्र हमारी सामूहिक उपलब्धियों का सच्चा उत्सव है।

इसी क्रम में कल संसद भवन में संसद की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक हुई। इसमें पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सशस्त्र बलों के ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में चर्चा करने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल लखनऊ में एक उच्चस्तरीय बैठक में विभाजन के बाद तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान और वर्तमान के बांग्लादेश से विस्थापित होकर आए परिवारों को भूस्वामित्व अधिकार देने की दिशा में ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल भूमि के हस्तांतरण का मामला नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन संघर्ष को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने देश की सीमाओं के उस पार से भारत में शरण ली और दशकों से पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। प्रस्तुत है एक रिपोर्ट—

बैठक में मौजूद अधिकारियों ने बताया कि विभाजन के बाद वर्ष 1960 से 1975 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए परिवारों को पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और रामपुर में पुनर्वासित किया गया था। प्रारंभिक वर्षों में इन परिवारों को ट्रांजिट कैम्पों के माध्यम से विभिन्न गांवों में बसाया गया और भूमि आवंटन भी किया गया, लेकिन कानूनी और अभिलेखीय विसंगतियों के चलते इन्हें भूमि पर वैध अधिकार प्राप्त नहीं हो सका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन मामलों में पूर्व में भूमि का आवंटन गर्वनमेंट ग्रांट एक्ट के तहत हुआ था, उन्हें ध्यान में रखते हुए वर्तमान विधिक ढांचे में नए विकल्प तलाशे जाएं। उन्होंने कहा कि इसे केवल पुनर्वास नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवता और राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। आकाशवाणी समाचार कक्ष से तनवीर फातिमा।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कल लखनऊ में इंडो-अमेरिकन चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित ब्रेकिंग बैरियर्स- वीमेन इन लीडरशिप एंड एंटर प्रेन्योरशिप विषय पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली चौदह महिला उद्यमियों को सम्मानित भी किया। राज्यपाल ने महिला नेतृत्व और उद्यमिता के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। साथ ही दूसरों को भी रोजगार प्रदान कर रही हैं।

आज राष्ट्रीय झंडा अंगीकरण दिवस है। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देशवासियों को एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये बधाई दी है। एक रिपोर्ट—

आज ही के दिन वर्ष उन्नीस सौ सैंतालिस में भारत की संविधान सभा ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को स्वतंत्र भारत के आधिकारिक प्रतीक के रूप में अपनाया था। इसी उपलक्ष्य में राष्ट्रीय झण्डा अंगीकरण दिवस हर वर्ष 22 जुलाई को मनाया जाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि हिमालय की चोटियों से हिन्द महासागर की लहरों तक, कश्मीर की घाटियों से कन्याकुमारी की धाराओं तक तिरंगा एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों की आत्मा, अस्मिता, अखंडता और एकात्मता का गौरवमयी प्रतीक है। समाचार कक्ष से मैं अरुण।

मौसम विज्ञान विभाग ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पचीस जुलाई तक कुछ स्थानों पर, जबकि छब्बीस और सत्ताईस जुलाई को अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने और वर्षा की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश में कल तक कहीं कहीं, चौबीस जुलाई को कुछ स्थानों पर, जबकि पचीस से सत्ताईस जुलाई तक अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने और बारिश की संभावना है। विभाग ने कल पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, जबकि पचीस जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं कहीं भारी बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की है।

इस बीच, प्रदेश में रुक रुक कर हो रही बारिश से कई नदियां उफान पर हैं। बलिया में गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। वहीं गाजीपुर में गंगा का जल स्तर खतरे के निशान के पास पहुंच गया है। इटावा में यमुना और चंबल के बढ़ते जलस्तर को लेकर इटावा जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी अरुण दुबे ने बताया कि प्रशासन सतर्क है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को अलर्ट कर दिया गया है।

हमने आपसी डिपार्टमेंटल कोऑर्डिनेशन करके जो वल्वरेबल कम्युनिटी है। गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चे गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीज उनकी सूची हमारे पास प्राप्त है। यदि कोई भी ऐसी स्थिति बनती है तो तुरंत हम आगे कोऑर्डिनेशन के साथ उनको वेट करेंगे और सुरक्षित स्थान पर हमारी एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की जो नजदीकी यूनिट है उनके साथ भी हमारा कोऑर्डिनेशन है। यदि कोई ऐसी स्थिति हो जाती है तो तुरंत तत्काल रिस्पांस करेगी।

प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पिछले चौबीस घंटों के भीतर अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में पांच कांवड़ियों सहित छः लोगों की जहां मौत हो गयी जबकि तीन कांवड़ श्रद्धालु गम्भीर तौर से घायल हैं। बस्ती में अयोध्या फोरलेन पर फुटहिया के पास दो बाइक की टक्कर में चार कांवड़ श्रद्धालु गम्भीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने इलाज के लिये उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने दो कांवड़ियों को मृत घोषित कर दिया जबकि एक को गोरखपुर स्थित बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान देर रात उसकी भी मौत हो गयी। उधर, फिरोजाबाद के मकखनपुर थाना क्षेत्र स्थित जयपुरिया स्कूल के सामने हुयी दुर्घटना में एक टैंकर ने कांवड़ लेकर जा रहे तीन श्रद्धालुओं की बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, जिसमें एक श्रद्धालु सहित दो लोगों की मौत हो गयी जबकि दो श्रद्धालु घायल हो गये। शाहजहांपुर के कांठ थाना क्षेत्र के जलालाबाद मार्ग पर भी ट्रैक्टर ट्रॉली से गिरकर एक कांवड़ श्रद्धालु की मौत हो गयी।
